

प्रधानमंत्री कार्यालय



बेंगलुरु, कर्नाटक में भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 में प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 06 FEB 2023 3:17PM by PIB Delhi

कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई जी, केंद्रीय मंत्रिमंडल के मेरे सहयोगी श्री हरदीप पुरी जी, रामेश्वर तेली जी, अन्य मंत्रिगण, Your Excellencies, देवियों और सज्जनों।

इस समय तुर्की में आए विनाशकारी भूकंप पर हम सभी की दृष्टि लगी हुई है। बहुत से लोगों की दुःखद मृत्यु और बहुत नुकसान की खबरें हैं। तुर्की के आसपास के देशों में भी नुकसान की आशंका है। भारत के 140 करोड़ लोगों की संवेदनाएं, सभी भूकंप पीड़ितों के साथ हैं। भारत भूकंप पीड़ितों की हर संभव मदद के लिए तत्पर है।

साथियों,

बेंगलुरु Technology, Talent और Innovation की energy से भरपूर शहर है। मेरी तरह आप भी यहां की युवा ऊर्जा को अनुभव कर रहे होंगे। ये भारत की G-20 Presidency Calendar का पहला बड़ा Energy Event है। मैं देश-विदेश से आए सभी लोगों का India Energy Week में स्वागत करता हूँ, अभिनंदन करता हूँ।

साथियों,

21वीं सदी के विश्व का भविष्य तय करने में, Energy सेक्टर की बहुत बड़ी भूमिका है। Energy के नए resources को डेवलप करने में, Energy Transition में आज भारत, विश्व की सबसे मजबूत आवाजों में से एक है। विकसित बनने का संकल्प लेकर चल रहे भारत में, Energy सेक्टर के लिए अभूतपूर्व संभावनाएं बन रही हैं।

आप जानते हैं कि हाल ही में IMF ने 2023 के लिए Growth Projections रिलीज की हैं। इसमें कहा गया है कि भारत, Fastest Growing Major Economy रहने वाला है। महामारी और युद्ध के प्रभाव के बावजूद 2022 में भारत एक global bright spot रहा है। External circumstances जो भी रहे, भारत ने internal resilience की वजह से हर चुनौती को पार किया। इसके पीछे multiple factors ने काम किया। पहला, stable decisive government, दूसरा, sustained reforms, और तीसरा, grassroot पर Socio-Economic Empowerment.

बीते वर्षों में बड़े पैमाने पर लोगों को बैंक खातों से जोड़ा गया, उन्हें free healthcare treatment की सुविधा मिली। Safe Sanitation, बिजली कनेक्शन, आवास, नल से जल और दूसरे social infrastructure की पहुंच करोड़ों लोगों तक हुई।

पिछले कुछ वर्षों में भारत की जितनी बड़ी आबादी के जीवन में ये बदलाव आया है, वो कई विकसित देशों की जनसंख्या से भी ज्यादा है। इससे करोड़ों गरीब लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद मिली है। आज करोड़ों लोग गरीबी से निकलकर middle class के स्तर तक पहुंच रहे हैं। आज भारत में करोड़ों लोगों की quality of Life में बदलाव आया है।

आज गांव-गांव तक इंटरनेट पहुंचाने के लिए 6 लाख किलोमीटर से ज्यादा optical fiber बिछाए जा रहे हैं। पिछले 9 वर्षों में देश में broadband users की संख्या 13 गुना बढ़ चुकी है। पिछले 9 वर्षों में internet connections तीन गुना से ज्यादा हो चुके हैं। आज Rural internet users की संख्या urban users की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ रही है।

इसके अलावा, भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन बनाने वाला देश बन चुका है। इससे भारत में दुनिया का सबसे बड़ा aspirational class तैयार हुआ है। भारत के लोग चाहते हैं कि उन्हें better products, better services और better infrastructure मिले।

भारत के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए Energy बहुत बड़ा फैक्टर है। Industries से लेकर offices तक, Factories से लेकर घरों तक, भारत में Energy की जरूरत, Energy की मांग बढ़ती ही जा रही है। भारत में जिस तेजी से विकास हो रहा है, उसे देखते हुए ये माना जा रहा है कि आने वाले वर्षों में भारत में अनेक नए शहर बनने वाले हैं। International Energy Association ने भी कहा है कि इस दशक में भारत की energy demand दुनिया में सबसे ज्यादा होगी। और यहीं पर, आप सभी investors के लिए, एनर्जी सेक्टर के स्टैकहोल्डर्स के लिए भारत नई opportunities ले करके आया है।

आज Global Oil Demand में भारत की हिस्सेदारी 5 परसेंट के आसपास है लेकिन इसके 11 परसेंट तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत की gas demand तो 500 परसेंट तक बढ़ने का अनुमान है। हमारा विस्तार ले रहा Energy Sector भारत में investment और collaboration के नए अवसर बना रहा है।

Friends,

एनर्जी सेक्टर को लेकर भारत की strategy के चार major verticals हैं। पहला- Domestic Exploration और Production को बढ़ाना, दूसरा- Supplies का Diversification, तीसरा- Bio fuels, Ethanol, Compressed Biogas और Solar जैसे Alternative Energy Sources का विस्तार और चौथा- Electric Vehicle और Hydrogen के जरिए Decarbonization. इन चारों ही दिशाओं में भारत तेजी से काम कर रहा है। मैं आपके बीच इसके कुछ Aspects पर और विस्तार से बात करना चाहूंगा।

साथियों,

आप जानते हैं कि भारत दुनिया में चौथी सबसे बड़ी refining capacity वाला देश है। भारत की वर्तमान क्षमता करीब 250 MMTPA की है, जिसे बढ़ाकर 450 MMTPA करने के लिए तेजी से काम हो रहा है। हम अपनी refining industry को लगातार indigenous, modernize और upgrade कर रहे हैं। हम अपनी petrochemical production capacity को बढ़ाने की दिशा में भी बहुत तेजी से काम कर रहे हैं। भारत के rich technology potential और growing startup ecosystem का उपयोग करके आप सभी अपने energy landscape का विस्तार कर सकते हैं।

साथियों,

हम 2030 तक अपने Energy Mix में Natural Gas Consumption को बढ़ाने के लिए भी मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। इसे 6 परसेंट से बढ़ाकर 15 परसेंट करने का लक्ष्य तय किया गया है। हमारा One Nation One Grid ये विजन इसके लिए सभी जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराएगा।

हमारा प्रयास है कि LNG terminal Re-gasification क्षमता को बढ़ाया जाए। 2014 में हमारी क्षमता 21 MMTPA की थी, जो 2022 में करीब दोगुनी हो गई है। इसे और बढ़ाने के लिए काम जारी है। भारत में 2014 के मुकाबले CGD की संख्या भी 9 गुना बढ़ चुकी है। हमारे यहां 2014 में CNG stations भी 900 के आसपास थे। अब इनकी संख्या भी बढ़कर 5 हजार तक पहुंच रही है।

हम गैस पाइपलाइन नेटवर्क की लंबाई बढ़ाने की दिशा में भी तेजी से काम कर रहे हैं। 2014 में हमारे देश में गैस पाइपलाइन की लंबाई करीब 14 हजार किलोमीटर थी। अब ये बढ़कर 22 हजार किलोमीटर से ज्यादा हो चुकी है। अगले 4-5 साल में भारत में गैस पाइपलाइन का नेटवर्क 35 हजार किलोमीटर तक पहुंच जाएगा। यानी भारत के natural gas infrastructure में आपके लिए निवेश की बहुत बड़ी संभावनाएं बन रही हैं।

साथियों,

आज भारत का जोर Domestic exploration और Production को बढ़ावा देने पर है। E&P Sector ने उन इलाकों में भी अपना interest दिखाया है, जो inaccessible समझे जाते थे। आपकी इन भावनाओं को समझते हुए हमने 'No-Go' Areas में कमी की है। इससे 10 लाख स्क्वियर किलोमीटर एरिया No-Go की पाबंदियों से मुक्त हुआ है। अगर हम आंकड़े पर नज़र डालें तो No-Go areas में भी ये कमी 98 परसेंट से भी ज्यादा है। मैं सभी निवेशकों से आग्रह करूंगा, आप इन अवसरों को इस्तेमाल करिए, fossil fuels के exploration में अपनी मौजूदगी बढ़ाइए।

Friends,

Bio-energy के क्षेत्र में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पिछले साल अगस्त में हमने एशिया की पहली 2G Ethanol Bio-Refinery की स्थापना की। हमारी तैयारी इस तरह के 12 commercial 2G Ethanol plants बनाने की है। Sustainable Aviation Fuel और रिन्यूबल डीजल की commercial उपयोगिता की दिशा में भी हमारे प्रयास जारी हैं।

इस साल के बजट में हमने गोबर-धन योजना के तहत 500 नए 'waste to wealth' plants बनाने का ऐलान किया है। इसमें 200 compressed biogas plants और 300 community या cluster-based plants शामिल हैं। इसमें भी आप सभी के लिए हजारों करोड़ रुपये के investment के रास्ते बनने वाले हैं।

साथियों,

एक और सेक्टर जिसमें भारत, विश्व में lead ले रहा है, वो है ग्रीन हाइड्रोजन का। National Green Hydrogen Mission, 21वीं सदी के भारत को नई दिशा देगा। इस दशक के अंत तक हम 5 MMTPA green hydrogen के production का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इसमें भी 8 lakh crore रुपये से अधिक के investment की संभावनाएं हैं। भारत, अगले 5 वर्षों में ग्रे-हाइड्रोजन को रिप्लेस करते हुये ग्रीन हाइड्रोजन का हिस्सा 25 परसेंट तक बढ़ाएगा। ये भी आपके लिए बहुत बड़ा अवसर होगा।

Friends,

एक और महत्वपूर्ण विषय EVs की battery cost का भी है। आज electric vehicle में battery की कॉस्ट 40 से 50 परसेंट तक होती है। इसलिए, इस दिशा में हमने 50 Giga watt hours की advanced chemistry cells बनाने के लिए 18 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की PLI स्कीम शुरू की है। देश में Battery manufacturing facilities स्थापित करने के लिए ये एक अच्छा अवसर है।

Friends,

भारत में बन रही निवेश की इन संभावनाओं को हमने एक सप्ताह पहले आए बजट में और मजबूत किया है। बजट में renewable energy, energy efficiency, sustainable transportation और green technologies को और encourage किया गया है। इसमें 35,000 करोड़ रुपये priority capital investments के लिए रखे गए हैं, ताकि energy transition और net zero objectives को बल मिले। बजट में हमने capital expenditure के लिए 10 लाख करोड़ रुपये का भी प्रावधान किया है। इससे भी green hydrogen से लेकर solar और roads जैसे हर तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर को गति मिलेगी।

साथियों,

2014 के बाद से, Green Energy को लेकर भारत का कमिटमेंट और भारत के प्रयास पूरी दुनिया देख रही है। बीते 9 वर्षों में भारत में रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी करीब 70 गीगावॉट से बढ़कर करीब 170 गीगावॉट हो चुकी है। इसमें भी सोलर पावर कैपेसिटी 20 टाइम से ज्यादा बढ़ी है। आज भारत विंड पावर कैपेसिटी के मामले में दुनिया में चौथे नंबर पर है।

हम इस दशक के अंत तक 50 परसेंट नॉन फॉसिल फ्यूल कैपेसिटी का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। हम बायोफ्यूल पर, इथेनॉल ब्लेंडिंग पर बहुत तेजी से काम कर रहे हैं। बीते 9 वर्षों में पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग को हम डेढ़ परसेंट से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर चुके हैं। अब हम 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं।

आज यहां E-20 rollout किया जा रहा है। पहले फेज में देश के 15 शहरों को कवर किया जाएगा और फिर आने वाले 2 वर्षों में देशभर में इसका विस्तार किया जाएगा। यानी E-20 भी आपके लिए देशभर में बहुत बड़ा मार्केट बनने जा रहा है।

साथियों,

आज भारत में energy transition को लेकर जो mass movement चल रहा है, वो अध्ययन का विषय है। ये दो तरीके से हो रहा है: पहला, Energy के renewable sources का तेज गति से adoption और दूसरा, Energy conservation के प्रभावी तरीकों का adoption. भारत के नागरिक आज बड़ी तेजी से Energy के renewable sources को अपना रहे हैं। Solar power से चलने वाले घर, Solar power से चलने वाले गांव, Solar power से चलने वाले एयरपोर्ट, Solar pump से हो रही खेती ऐसे अनेक उदाहरण हैं।

बीते 9 वर्षों में भारत ने अपने 19 करोड़ से ज्यादा परिवारों को Clean Cooking fuel से जोड़ा है। आज जो सोलर कुकटॉप लॉन्च किया गया है, वो भारत में Green और Clean Cooking को नया आयाम देने जा रहा है। उम्मीद है कि अगले 2-3 साल में ही 3 करोड़ से अधिक घरों में सोलर कुकटॉप की पहुंच बन जाएगी। इससे एक तरह से भारत किचन में क्रांति लाने का काम करेगा। भारत में 25 करोड़ से अधिक परिवार हैं। आप कल्पना कर सकते हैं कि सिर्फ सोलर कुकटॉप से जुड़े निवेश में आपके लिए कितनी संभावनाएं बन रही हैं।

साथियों,

भारत के नागरिक energy conservation के प्रभावी तरीकों की तरफ तेजी से शिफ्ट हो रहे हैं। अब ज्यादातर घरों में, Streetlights में LED बल्ब का इस्तेमाल होता है। भारत के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। Large scale पर CNG और LNG को अपनाया जा रहा है। Electric vehicles की बढ़ती लोकप्रियता, इस दिशा में बड़े बदलाव के संकेत दे रहे हैं।

साथियों,

ग्रीन ग्रोथ की तरफ, एनर्जी ट्रांजिशन की तरफ भारत के ये बड़े प्रयास हमारी Values को भी reflect करते हैं। सर्कुलर इकोनॉमी, एक तरह से हर भारतीय की जीवनशैली का हिस्सा है। Reduce, Reuse और Recycle का मंत्र हमारे संस्कारों में रहा है। आज इसका भी एक उदाहरण हमें यहां अभी देखने को मिला है। प्लास्टिक की वेस्ट बॉटल्स को री-सायकिल करके जो यूनिफॉर्म बनाई गई है, आपने उसे देखा है, फैशन की दुनिया के लिए, सुंदरता की दुनिया के लिए उसमें कोई कमी नहीं है। हर साल 10 करोड़ ऐसी बॉटल्स की री-सायकिलिंग का लक्ष्य पर्यावरण की रक्षा में बहुत मदद करेगा।

ये मिशन LIFE यानी Lifestyle for environment को भी मजबूती देगा जिसकी दुनिया को आज बहुत आवश्यकता है। इन्हीं संस्कारों पर चलते हुए भारत ने 2070 तक नेट जीरो का टारगेट तय किया है। इंटरनेशनल सोलर अलायंस जैसे प्रयासों से भारत इस सद्भावना को दुनिया में मजबूत करना चाहता है।

साथियों,

मैं आपका फिर आह्वान करूंगा कि भारत के एनर्जी सेक्टर से जुड़ी हर संभावना को जरूर एक्सप्लोर करें, उससे जुड़ें। आज भारत, आपके investment के लिए दुनिया में सबसे उपयुक्त जगह है। इन्हीं शब्दों के साथ, आज आप इतनी बड़ी तादाद में यहां आए, energy transition week के अंदर शरीक हुए। मैं आपका अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं, और अपनी वाणी को विराम देता हूं। आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

DS/ST/NS

(रिलीज आईडी: 1896610) आगंतुक पटल : 418

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Bengali , Manipuri , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय



केन्द्रीय बजट के बाद 'हरित विकास' विषय पर हुए वेबिनार में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 23 FEB 2023 12:38PM by PIB Delhi

नमस्कार जी।

2014 के बाद से भारत में जितने भी बजट आए हैं, उनमें एक पैटर्न रहा है। पैटर्न ये है कि हमारी सरकार का हर बजट वर्तमान चुनौतियों के समाधान के साथ ही New Age Reforms को आगे बढ़ाता रहा है। Green Growth और Energy Transition के लिए भारत की रणनीति के तीन मुख्य स्तंभ रहे हैं। पहला- Renewable Energy का प्रोडक्शन बढ़ाना। दूसरा- अपनी अर्थव्यवस्था में fossil fuels का इस्तेमाल कम करना। और तीसरा- देश के अंदर gas based economy की तरफ तेज गति से आगे बढ़ना। इसी रणनीति के तहत, चाहे इथेनॉल ब्लेंडिंग हो, पीएम-कुसुम योजना हो, सोलर मैन्यूफैक्चरिंग के लिए incentive देना हो, Roof-top Solar Scheme हो, Coal Gasification हो, Battery Storage हो, बीते वर्षों के बजट में अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं हुई हैं। इस साल के बजट में भी इंडस्ट्री के लिए green credits हैं, तो किसानों के लिए PM PRANAM योजना है। इसमें गांवों के लिए गोबरधन योजना है तो, शहरी क्षेत्रों के लिए vehicle scrapping policy है। इसमें ग्रीन हाईड्रोजन पर बल है, तो wetland conservation पर भी उतना ही फोकस है। Green Growth को लेकर इस साल के बजट में जो प्रावधान किए गए हैं, वो एक तरह से हमारी भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का शिलान्यास हैं।

Friends,

भारत Renewable Energy resources में जितना कमांडिंग पोजीशन में होगा उतना ही बड़ा बदलाव वो पूरे विश्व में ला सकता है। ये बजट भारत को Global Green Energy market में एक लीड प्लेयर के रूप में स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। इसलिए मैं आज energy world से जुड़े हर स्टेकहोल्डर को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करता हूं। विश्व आज अपनी Renewable Energy supply chains को diversify कर रहा है। ऐसे में इस बजट के माध्यम से भारत ने हर Green Investor को अपने यहां निवेश का बेहतरीन अवसर दिया है। ये इस सेक्टर में आ रहे स्टार्ट-अप्स के लिए भी बहुत ही उपयोगी साबित होने जा रहा है।

साथियों,

2014 के बाद से ही भारत major economies में renewable energy capacity addition में सबसे तेज रहा है। हमारा ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि renewable energy resources को लेकर भारत जो लक्ष्य तय करता है, उसे समय से पहले पूरा करके दिखाता है। हमारी installed electricity Capacity में 40 परसेंट non-fossil fuel के योगदान के लक्ष्य को भारत ने 9 साल पहले ही प्राप्त कर लिया। पेट्रोल में 10 परसेंट इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को भी भारत ने 5 महीना पहले ही हासिल कर लिया। 20 परसेंट इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को भी भारत ने 2030 से कम करके 2025-26 तक पूरा करने का निर्धारित किया। वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट non-fossil-based electricity capacity हासिल करके रहेगा। हमारी सरकार जिस तरह Bio-Fuels पर जोर दे रही है, वो सभी investors के लिए बहुत बड़ी opportunity लेकर आया है। अभी हाल ही में मैंने E20 Fuel को भी लॉन्च किया है। हमारे देश में Agri-Waste की कमी नहीं है। ऐसे में देश के कोने-कोने में Ethanol Plants की स्थापना के मौके को investors को छोड़ना नहीं चाहिए। भारत में solar, wind, bio-gas का जो potential है, वो हमारे private sector के लिए किसी Gold Mine या Oil Field से कम नहीं है।

Friends,

National Green Hydrogen Mission के माध्यम से भारत हर साल 5 MMT Green Hydrogen के प्रॉडक्शन का लक्ष्य लेकर चल रहा है। प्राइवेट सेक्टर को encourage करने के लिए इस मिशन में 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। Green Hydrogen के production के साथ ही आपके लिए और भी बहुत सारे Options हैं। जैसे electrolyser manufacturing, green steel की manufacturing, long haul transportation के लिए fuel cells के निर्माण में भी investment की अनेक opportunities आ रही हैं।

Friends,

भारत में गोबर से 10 हजार मिलियन क्यूबिक मीटर बायोगैस और agri residue से डेढ़ लाख मिलियन क्यूबिक मीटर गैस के उत्पादन का potential है। इससे हमारे देश में City Gas Distribution में 8 परसेंट तक का योगदान हो सकता है। इन्हीं संभावनाओं की वजह से आज गोबरधन योजना, भारत की biofuel strategy का एक अहम component है। इस बजट में सरकार ने गोबरधन योजना के तहत 500 नए प्लांट लगाने की घोषणा की है। ये पुराने जमाने के गोबरगैस प्लांट की तरह नहीं होते। इन आधुनिक प्लांट्स पर सरकार 10 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। सरकार का "Waste to Energy" प्रोग्राम, देश के प्राइवेट सेक्टर के लिए, हमारे MSME's के लिए एक नया मार्केट बना रहा है। गांवों से निकलने वाले Agri-Waste के साथ ही शहरों के Municipal Solid Waste से भी CBG का प्रॉडक्शन उनके लिए बेहतरीन मौका है। प्राइवेट सेक्टर को उत्साहित करने के लिए सरकार टैक्स में छूट के साथ ही आर्थिक मदद भी दे रही है।

साथियों,

भारत की Vehicle Scrapping Policy, green growth strategy का एक अहम हिस्सा है। Vehicle Scrapping को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने इस बजट में 3 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आने वाले कुछ महीनों में केंद्र और राज्य सरकार की करीब-करीब 3 लाख गाड़ियों को scrap किया जाना है। ये गाड़ियां 15 साल से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं। इनमें पुलिस जिन vehicles का उपयोग करती है वो गाड़ियां हैं, खासकर के हमारे हॉस्पिटल्स में जो एंबुलेंस हैं, हमारे public transport की जो buses हैं। Vehicle Scrapping आप सभी के लिए बहुत बड़ा मार्केट बनने जा रहा है। ये Reuse, Recycle और Recovery के सिद्धांत पर चलते हुए हमारी circular economy को भी नई ताकत देगा। मैं भारत के नौजवानों को, हमारे स्टार्ट-अप्स को circular economy के विभिन्न माध्यमों से जुड़ने का भी आग्रह करूंगा।

Friends,

भारत को अगले 6-7 साल में अपनी battery storage capacity को बढ़ाकर 125 Gigawatt hours करना है। ये लक्ष्य जितना बड़ा है, उतना ही आपके लिए इसमें नई संभावनाएं बन रही हैं। इसे हासिल करने के लिए लाखों करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता है। Battery developers को सपोर्ट करने के लिए सरकार ने इस बजट में Viability Gap Funding स्कीम की भी घोषणा की है।

Friends,

भारत में water-based transport एक बहुत बड़ा सेक्टर है जिसमें आने वाले दिनों में बहुत तेजी आने वाली है। आज भारत अपने coastal route के जरिए सिर्फ 5 परसेंट कार्गो का ट्रांसपोर्ट करता है। इसी तरह inland waterways के जरिए सिर्फ 2 परसेंट कार्गो भारत में ट्रांसपोर्ट होता है। जिस तरह भारत में वॉटरवेज का निर्माण हो रहा है, उसमें इस क्षेत्र में आप सभी के लिए बहुत सारी opportunities बन रही हैं।

साथियों,

भारत Green Energy से जुड़ी टेक्नॉलॉजी में दुनिया में लीड ले सकता है। ये भारत में Green Jobs को बढ़ाने के साथ ही Global Good में भी बहुत मदद करेगा। ये बजट आपके लिए एक अवसर तो है ही, इसमें आपके भविष्य की सुरक्षा गारंटी भी समाहित है। बजट के हर प्रावधान को अमल में लाने के लिए हमें तेजी से काम करना है, मिलकर के काम करना है। आप सभी आज के इस webinar में बहुत गंभीरता से चर्चाएं करेंगे। ये बजट पर चर्चा, बजट में क्या होना चाहिए था, क्या नहीं होना चाहिए था इसके संदर्भ में नहीं है। अब बजट आ चुका है, संसद में already पेश हो चुका है। अब हम सबको मिलकर के सरकार और देशवासियों को मिलकर के इस बजट की एक-एक चीज को बहुत ही अच्छे तरीके से कैसे लागू करें, नए-नए innovations कैसे करें, देश में Green Growth को हम कैसे सुनिश्चित करें। आप, आपकी टीम इसके लिए आगे आए, सरकार कंधे से कंधा मिलाकर के आपके साथ चलने के लिए तैयार है। मैं फिर एक बार इस webinar के लिए समय निकालने

के लिए आप सभी निवेशकों का, स्टार्ट अप बल के जवानों का, agriculture field के लोगों का, experts का, academicians का हृदय से बहुत-बहुत स्वागत करता हूं और इस webinar की सफलता के लिए अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

DS/ST/RK

(रिलीज आईडी: 1901639) आगंतुक पटल : 386

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Punjabi , Marathi , Manipuri , Bengali , Urdu , English , Assamese , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam